

OIL Launches Environmental Research Project on Present Status of Endangered White Winged Duck

Fully funded by OIL, the research study project to be conducted by Digboi College on present status of endangered White Winged Duck (*Asarcornis Scutulata*), the State Bird of Assam was ceremoniously launched on 3rd of April 2019 at Digboi College. Oil India Limited has supported the research study project under its CSR initiative towards conservation of environment.

The programme was graced by Dr. Dip Saikia, Principal- Digboi College, Shri Dilip Bhattacharya, President, Governing Body- Digboi College, Shri Dilip Kumar Bhuyan, GM Public Affairs-OIL, Shri Tridiv Hazarika, DGM Public Affairs-OIL, Shri Gopal G Rasu, DGM (S&E)-OIL, Shri Alakesh Borah, DGM Eastern Asset-OIL along with other senior officials from OIL, teaching fraternity and students of Digboi College.

Dr. Dip Saikia in his speech expressed his gratitude towards Oil India Ltd. for providing the financial assistance towards the project and summed up the objectives and importance of the research study. Shri Dilip K Bhuyan, GM Public Affairs-OIL in his speech stated how OIL being in a business of exploration & production of hydrocarbons, strives to preserve the environment and conserve biodiversity in its operational areas. While praising the initiative of Digboi college in commencing the study, other officials from OIL spoke at length about the measures taken by the Company to protect the environment in its operational areas. The officials also stated as how the people in and around Digboi can also offer their helping hand in preservation of Oil fields of Digboi which is now a world heritage site.

About the Project:

The White Winged Duck (*Asarcornis Scutulata*) is the State Bird of Assam and due to various threats to their survival, has become one of the rarest duck species in the world. In India, this bird is found only in the states of Assam and Arunachal Pradesh but currently, their population is undergoing a rapid and drastic decline due to deforestation and hunting by people depending on the forests for their livelihood. In the state of Assam, the forest areas of Tinsukia district has been the natural nesting ground of this endangered species. However, due to lack of research, their present population and distribution is still unknown. The objectives of this research project is therefore to determine their population in

Digboi and the surrounding areas, identification of threats associated with their survival and introducing conservative measures for their long term survival.

This endangered White Winged Duck-State Bird of Assam is majorly found in the heart of OIL's operational areas and therefore today OIL takes great pride in supporting this cause towards conservation of this ecological treasure

Glimpses of the Event:





Media Coverage

THE SENTINEL THURSDAY 11 APRIL 2019

Research study project on endangered White Winged Duck launched

STAFF CORRESPONDENT
DIBRUGARH, April 10: Fully funded by OIL, the research study project to be conducted by Digboi College on present status of endangered White Winged Duck (*Asarcornis Scutulata*), the State bird of Assam, was ceremoniously launched on April 3 at Digboi College. Oil India Limited has supported the research study project under its CSR initiative towards conservation of environment.

The programme was graced by Principal of Digboi College, Dr. Dip Saikia, president of the governing body of Digboi College, Dilip Bhattacharya, GM Public Affairs, OIL, Dilip Kumar Bhuyan, DGM, Public Affairs-OIL, Tridiv Hazarika, DGM (S&E), OIL, Gopal G Rasu, DGM Eastern Asset-OIL, Alakesh Bo-

rah along with other senior officials from OIL, teaching fraternity and students of Digboi College.

Dr. Dip Saikia in his speech expressed his gratitude towards Oil India Ltd. for providing the financial assistance towards the project and summed up the objectives and importance of the research study. Dilip K Bhuyan, GM Public Affairs-OIL, in his speech stated how OIL, being in a business of exploration and production of hydrocarbons, strives to preserve the environment and conserve biodiversity in its operational areas.

While praising the initiative of Digboi College in commencing the study, other officials from OIL spoke at length about the measures taken by the company to protect the environment in its operational areas.



The White Winged Duck (*Asarcornis Scutulata*) is the State bird of Assam and due to various threats to their survival, has become one of the rarest duck species in the world. In India, this bird is found only in the States of Assam and Arunachal Pradesh but currently, their population is un-

dergoing a rapid and drastic decline due to deforestation and hunting by people depending on the forests for their livelihood. In the State of Assam, the forest areas of Tinsukia district has been the natural nesting ground of this endangered species. However, due to lack of research, their present popu-

lation and distribution is still unknown. The objectives of this research project is therefore, to determine their population in Digboi and the surrounding area, identification of threats associated with their survival and introducing conservative measures for their long term survival.

राज्यिक पक्षी देवहंस की वर्तमान स्थिति शीर्षक पर आधारित पर्यावरण अनुसंधान परियोजना का शुभारंभ

डिगबोई। ऑयल इंडिया लिमिटेड दुलियाजान की ओर से आज डिगबोई और इसके आस-पास के इलाकों में असम के राज्यिक पक्षी देवहंस की वर्तमान स्थिति शीर्षक पर आधारित एक पर्यावरण अनुसंधान परियोजना का शुभारंभ किया गया। ऑयल इंडिया द्वारा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत आवंटित कुल दस लाख रुपए की राशि से होने जा रहे इस अनुसंधान का दायित्व डिगबोई

महाविद्यालय के पर्यावरण अनुसंधान विभाग को सौंपा गया है। उक्त अनुसंधान को नेतृत्व प्रदान करेंगे डिगबोई महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के सहायक अध्यापक डॉ. देवर्षि गोगोई। दुर्लभ प्रजाति तथा असम गौरव देवहंस का संरक्षण और इस संदर्भ में जन जागरूकता लाने के उद्देश्य से प्रस्तावित उक्त अनुसंधान कार्य दो वर्ष के अंदर समाप्त किया जाएगा। इस अनुसंधान परियोजना का शुभारंभ

और दायित्व अर्पण करने के उद्देश्य से आज डिगबोई महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. दीप सैकिया की अध्यक्षता में और ऑयल इंडिया के जन संपर्क विभाग के महाप्रबंधक दिलीप कुमार भुयां, उप महाप्रबंधक गोपाल राजु, उप महाप्रबंधक (पूर्वोत्तर परिसंपत्ति) अलकेश बोर, जन संपर्क विभाग के प्रबंधक साक्षी अगरवाला और अधिकारी प्रियाक्षी गोस्वामी की उपस्थिति में एक सभा का आयोजन किया गया। (निसं)

अইলৰ পৃষ্ঠপোষকতাত 'দেওহাঁহ সংৰক্ষণ' শীৰ্ষক গৱেষণা প্ৰকল্পৰ শুভাৰম্ভ

জনগণ ব্যাং, তিনিচুকীয়া, ৩ মাৰ্চ : অইল ইণ্ডিয়া লিমিটেড, দুলীয়াজানৰ পৃষ্ঠপোষকতাত ডিগবৈ আৰু ইয়াৰ দাঁতি কাষৰীয়া অঞ্চলত অসমৰ ৰাজ্যিক পক্ষী দেওহাঁহৰ বৰ্তমানৰ স্থিতি শীৰ্ষক এক পৰিবেশ মূলক গবেষণা প্ৰকল্পৰ কাম আজি ডিগবৈ মহাবিদ্যালয়ত শুভাৰম্ভ কৰা হয়। অইল ইণ্ডিয়া লিমিটেডৰ সামাজিক দায়বদ্ধতা আৰ্চনিৰ শিতানত ৰূপায়ন কৰিবলগীয়া উক্ত গবেষণা প্ৰকল্পৰ দায়িত্ব অৰ্পণ কৰে ডিগবৈ মহাবিদ্যালয়ৰ পৰিবেশ গবেষণা কোষক। সৰ্বমুঠ দহলাখ টকা ব্যয় সাপেক্ষে ৰূপায়ন কৰিবলগীয়া উক্ত গবেষণাকৰ্মত নেতৃত্ব প্ৰদান কৰিব ডিগবৈ মহাবিদ্যালয়ৰ বাণিজ্য বিভাগৰ সহকাৰী অধ্যাপক ডঃ দেবৰ্ষি গগৈয়ে। পৃথিৱীৰ বুকুৰ পৰা প্ৰায় বিলুপ্তিৰ পৰ্যায়লৈ গতি কৰা অসম গৌৰৱ দেওহাঁহৰ সংৰক্ষণ আৰু এই বিষয়ে সজাগতা সৃষ্টি কৰাৰ উদ্দেশ্যেৰে ৰূপায়ন হবলগীয়া গবেষণা প্ৰকল্প দুবছৰ সময়সীমাৰ ভিতৰত সম্পন্ন কৰা হ'ব। ডিগবৈ মহাবিদ্যালয়ৰ অধীৰ্ণ ডঃ দীপ শইকীয়াৰ সভাপতিত্বত অনুষ্ঠিত গবেষণা প্ৰকল্পৰ টিৰ শুভাৰম্ভ আৰু দায়িত্ব অৰ্পণৰ সন্দৰ্ভত আয়োজন কৰা সভাখনিত অইলৰ জনসম্পৰ্ক বিভাগৰ মহাপ্ৰবন্ধক দিলীপ কুমাৰ ভূঞা, উপমহাপ্ৰবন্ধক ক্ৰমে ত্ৰিদিপ হাজৰিকা, গোপাল ৰাজু, অলকেশ বৰা, প্ৰবন্ধক সাক্ষী আগৰৱালা, বিষয়া প্ৰিয়াক্ষী গোস্বামী, ডিগবৈ মহাবিদ্যালয়ৰ পৰিচালনা সমিতিৰ সভাপতি দিলীপ কুমাৰ ভট্টাচাৰ্য্য, উপাধ্যক্ষ কেদাৰনাথ তিমচিনাকে আদি কৰি প্ৰবক্তা আৰু ছাত্ৰ ছাত্ৰী সকল উপস্থিত থাকে।

सेंटिनल

डिब्रुगढ़, शनिवार 6 अप्रैल 2019

ऑयल ने की विलुप्तप्राय सफेद पंख वाले बतख पर पर्यावरण अनुसंधान परियोजना की शुरुआत



दुलियाजान, 5 अप्रैल (एस)। ऑयल ट्रेडिंग लिमिटेड, दुलियाजान ने डिब्रुगढ़ कॉलेज के सहयोग से सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में असम की राज्यपक्षी विलुप्तप्राय सफेद पंख वाले बतख (देवहांड - असारकोर्निस स्कुटुलता-वाईट बर्ड्स डॉक) को वर्तमान स्थिति पर एक पर्यावरण अनुसंधान परियोजना को प्रायोजित किया है। इस परियोजना का औपचारिक शुभारंभ बुधवार को किया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. दीप सैकिथा, प्राचार्य, डिब्रुगढ़ कॉलेज, दिलीप भूइया, महाप्रबंधक (सीएसआर एवं सीसी) जन संपर्क, ऑयल, गोपाल राय, उप महाप्रबंधक (एस एंड ई), ऑयल, अलंकेश बोरा, उप महाप्रबंधक-पूर्वी परिसंपत्ति-ऑयल के साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारियों

तथा डिब्रुगढ़ कॉलेज के संकाय एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। डॉ. दीप सैकिथा ने अपने भाषण में विविध सहायता प्रदान करने के लिए ऑयल ट्रेडिंग लिमिटेड का आभार व्यक्त किया और अनुसंधान अध्ययन के उद्देश्यों तथा गंतव्य को अभिव्यक्त किया। दिलीप कुमार भूइया, महाप्रबंधक-जन संपर्क ने अपने भाषण में उल्लेख किया कि किस प्रकार ऑयल हाईड्रोकार्बन का अन्वेषण तथा उत्पादन के व्यवसाय में सहरो हुए भी पर्यावरण को संरक्षित करने तथा इसके प्रचालन क्षेत्रों में जीव विविधता के संरक्षण के लिए प्रयास करता है। त्रिदिव-इकारिका, उप महाप्रबंधक (सीएसआर एंड सीसी) ऑयल ने उपस्थित सभी को सूचित किया कि असम के राज्यपक्षी विलुप्तप्राय सफेद पंख वाला बतख प्रमुख रूप से ऑयल के प्रचालन क्षेत्रों के केन्द्र में पाए जाते हैं और इसलिए ऑयल इस विलुप्तप्राय तथा दुर्लभ प्रजाति के पक्षी के संरक्षण और इस

पारिस्थितिक खजाने के संरक्षण कार्य का समर्थन करने में बहुत गर्व महसूस कर रहा है। गोपाल जी राय, उप महाप्रबंधक (एस एंड ई), ऑयल ने प्रचालन क्षेत्रों में पर्यावरण की रक्षा के लिए ऑयल द्वारा उठाए गए उपायों के बारे में उल्लेख किया। अलंकेश बोरा, उप महाप्रबंधक (पूर्वी परिसंपत्ति) ने डिब्रुगढ़ कॉलेज द्वारा अपने आस-पास के क्षेत्रों में जीव विविधता के संरक्षण में किए गए प्रयासों की सराहना की तथा डिब्रुगढ़ ऑयल क्षेत्रों, जो अब एकाविध धरोहर स्थल है का संरक्षण करने के लिए उपस्थित सभी लोगों से अनुरोध किया। सफेद पंख वाला बतख असम का राज्यपक्षी है और उनके अस्तित्व के प्रति अनेकले विभिन्न खतरों के कारण, दुनिया में सबसे दुर्लभ बतख प्रजातियों में से एक बन गया है। भारत में यह पक्षी केवल असम तथा अरुणाचल प्रदेश राज्यों में पाया जाता है, लेकिन वर्तमान में आजीविक के लिए जंगलों के अपभ्रंश वनों की कटाई और शिकार के कारण उनकी आबादी में तेजी से कमी हो रही है। असम राज्य में तिनसुकिया जिले के जन क्षेत्र इय विलुप्तप्राय प्रजातियों का प्राकृतिक भौमला जगने का स्थल है। हालांकि, शोध की कमी के कारण उनकी वर्तमान आबादी तथा फैलाव अभी भी अज्ञात है। इस शोध परियोजना का उद्देश्य डिब्रुगढ़ तथा आसपास के क्षेत्रों में उनकी आबादी का निर्धारण करना, उनके अस्तित्व से जुड़े खतरों को पहचान करना और उनके दीर्घकालिक अस्तित्व के लिए स्थायक उपायों की शुरुआत करना है।

Tinsukia, Monday, April 8, 2019

দৈনিক জনমভূমি



ডিগবৈ মহাবিদ্যালয়ত অইলৰ পৰিবেশমূলক গৱেষণা প্ৰকল্পৰ শুভাৰম্ভ

ডিগবৈ : নিজা প্ৰতিবেদক, ৭ এপ্ৰিল : অইল ইণ্ডিয়া লিমিটেড, দুলীয়াজানৰ পৃষ্ঠপোষকতাত 'ডিগবৈ আৰু ইয়াৰ দাঁতিকাষৰীয়া অঞ্চলত অসমৰ ৰাজ্যিক পক্ষী দেওহাঁহৰ বৰ্তমানৰ স্থিতি' শীৰ্ষক এক পৰিবেশমূলক গৱেষণা প্ৰকল্পৰ কাম ডিগবৈ মহাবিদ্যালয়ত শুভাৰম্ভ কৰা হয়। অইল ইণ্ডিয়াৰ কৰ্পোৰেট সামাজিক দায়বদ্ধতা আঁচনিৰ শিতানত কপায়ণ কৰিবলগীয়া গৱেষণা প্ৰকল্পৰ দায়িত্ব অৰ্পণ কৰিছে ডিগবৈ মহাবিদ্যালয়ৰ পৰিবেশ গৱেষণা কোষক। বিলুপ্তপ্ৰায় দেওহাঁহৰ সংৰক্ষণ আৰু এই বিষয়ে সজাগতা সৃষ্টিৰ উদ্দেশ্যে কপায়ণ কৰিবলগীয়া গৱেষণা প্ৰকল্পৰ সময়সীমা হ'ব দুবছৰ। মুঠ দহ লাখ টকা ব্যয় সাপেক্ষে এই গৱেষণা প্ৰকল্পত নেতৃত্ব প্ৰদান কৰিব মহাবিদ্যালয়খনৰ বাণিজ্য বিভাগৰ সহকাৰী অধ্যাপক ড° দেবৰ্ষি গগৈয়ে। ডিগবৈ মহাবিদ্যালয়ৰ অধ্যক্ষ ড° দীপ শইকীয়াৰ সভাপতিত্বত অনুষ্ঠিত গৱেষণা প্ৰকল্প শুভাৰম্ভ আৰু দায়িত্ব অৰ্পণ অনুষ্ঠানত অইল ইণ্ডিয়াৰ মহাপ্ৰবন্ধক (জনসম্পৰ্ক) দিলীপ ভূঞা, উপ-মহাপ্ৰবন্ধক (সামাজিক দায়বদ্ধতা) ত্ৰিদিপ হাজৰিকা, উপ-মহাপ্ৰবন্ধক (পূৰ্বোত্তৰ সম্পদ) অলকেশ বৰা আদি উপস্থিত থাকে। অনুষ্ঠানত ডিগবৈ মহাবিদ্যালয় পৰিচালনা সমিতিৰ সভাপতি দিলীপ ভট্টাচাৰ্য, উপাধ্যক্ষ কেদাৰনাথ তিমচিনা, শিক্ষক গোটৰ সভাপতি ড° জীৱন চাংমাইসহ শিক্ষক-শিক্ষয়িত্ৰী আৰু ছাত্ৰ-ছাত্ৰী উপস্থিত থাকে।

पूर्वाचल प्रहरी

सोमवार 8 अप्रैल 2019

दुलियाजान में ऑयल ने विलुप्तप्राय बत्तखों की वर्तमान स्थिति पर किया परिचर्चा का आयोजन

दुलियाजान। ऑयल इंडिया लिमिटेड, दुलियाजान ने डिगबोई कॉलेज के सहयोग से निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत सतत पर्यावरण की दिशा में असम के राज्यपक्षी विलुप्तप्राय सफेद पंख वाला बत्तख की वर्तमान स्थिति पर एक पर्यावरण अनुसंधान परियोजना को प्रायोजित किया है। मालूम हो कि गत तीन अप्रैल को इस परियोजना का औपचारिक शुभारंभ किया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. दीप सैकिया, प्राचार्य, डिगबोई कॉलेज, दिलीप भट्टाचार्य, अध्यक्ष, गवर्निंग बोर्डी- डिगबोई कॉलेज, दिलीप कुमार भूया, महाप्रबंधक जन संपर्क, ऑयल, त्रिदिव हजारिका, उप महाप्रबंधक जन संपर्क, ऑयल, गोपाल रासु, उप महाप्रबंधक, ऑयल, अलकेश बोरा, उप महाप्रबंधक पूर्वी परिसंपत्ति ऑयल के साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारियों तथा डिगबोई कॉलेज के संकाय एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। डॉ. दीप सैकिया ने अपने भाषण में वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए ऑयल इंडिया लिमिटेड का आभार व्यक्त किया और अनुसंधान अध्ययन के उद्देश्यों तथा महत्व को अभिव्यक्त किया। दिलीप कुमार भूया, महाप्रबंधक- जन संपर्क ने अपने भाषण में उल्लेख किया कि किस प्रकार ऑयल हाइड्रोकार्बन का अन्वेषण तथा उत्पादन के व्यवसाय में रहते हुए भी पर्यावरण को संरक्षित करने तथा इसके प्रचालन क्षेत्रों में जैव विविधता के संरक्षण के लिए प्रयास करता है। त्रिदिव हजारिका, उप महाप्रबंधक, ऑयल ने उपस्थित सभी को सूचित किया कि असम के राज्यपक्षी विलुप्तप्राय सफेद पंख वाला बत्तख प्रमुख रूप से ऑयल के प्रचालन क्षेत्रों के केन्द्र में पाए जाते हैं और इसलिए ऑयल इस विलुप्तप्राय तथा दुर्लभ प्रजाति के पक्षी के संरक्षण और इस पारिस्थितिक खजाने के संरक्षण कार्य का समर्थन करने में बहुत गर्व महसूस कर रहा है। गोपाल जी राजू, उप महाप्रबंधक, ऑयल ने प्रचालन क्षेत्रों में पर्यावरण की रक्षा के लिए ऑयल द्वारा उठाए गए उपायों के बारे में उल्लेख किया। अलकेश बोरा, उप महाप्रबंधक ने डिगबोई कॉलेज द्वारा अपने आस-पास के क्षेत्रों में जैव विविधता के संरक्षण में किए गए प्रयासों की सराहना की तथा डिगबोई ऑयल क्षेत्रों, जो अब एक विश्व धरोहर स्थल हैं का संरक्षण करने के लिए उपस्थित सभी लोगों से अनुरोध किया। इस दौरान परियोजना के बारे में बताया गया कि सफेद पंख वाला बत्तख असम का राज्यपक्षी है और उनके अस्तित्व के प्रति आनेवाले विभिन्न खतरों के कारण, दुनिया में सबसे दुर्लभ बत्तख प्रजातियों में से एक बन गया है। भारत में, यह पक्षी केवल असम तथा अरुणाचल प्रदेश राज्यों में पाया जाता है, लेकिन वर्तमान में, आजीविका के लिए जंगलों के आधार वनों की कटाई और शिकार के कारण उनकी आबादी में तेजी से कमी हो रही है। असम राज्य में, तिनसुकिया जिले के वन क्षेत्र इस विलुप्तप्राय प्रजातियों का प्राकृतिक घोंसला बनाने का स्थान है। (निसं)